Publication Date 01.10.2026
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

(हरकोफैड)

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 57 / अंक 10 / 1 अक्तूबर, 2026
वार्षिक मूल्य : रू 500 / प्रति कापी : रू 50



सहकारिता की शान, हरियाणा का सम्मान
राष्ट्रीय पटल पर चीनी मिलों की नई पहचान!
चीनी से बायो-एनर्जी तक विकास की उड़ान
आत्मनिर्भरता से सशक्त हरियाणा का निर्माण!

जय हरियाणा, जय किसान, जय सहकारिता, जय हिंदुस्तान!



नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी से मुलाकात करते मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी।



चण्डीगढ़ हवाई अड्डे पर देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से आत्मीय शिष्टाचार भेंट एवं अभिनंदन करते सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा।



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में परिवारजनों एवं कार्यकर्ता साथियों के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा जी। यह दीप सेवा, समर्पण, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक है।

सम्पादकीय

गांधी के ग्राम-स्वराज से सहकारिता के संकल्प तक

अक्टूबर भारतीय चेतना में स्मरण, संकल्प और आत्ममंथन का महीना है। 2 अक्टूबर को हम महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जैसे महान व्यक्तित्वों को स्मरण करते हैं, जबकि दशहरा हमें सत्य और सदाचार की विजय का संदेश देता है। इन सभी अवसरों की मूल भावना एक ही है—व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र के निर्माण की यात्रा। महात्मा गांधी ने भारत की शक्ति को उसके गाँवों में देखा था। उनके लिए ग्राम—स्वराज का अर्थ केवल प्रशासनिक विकेंद्रीकरण नहीं, बल्कि ऐसा ग्रामीण समाज था जो स्वावलंबी, सहभागी, जिम्मेदार और आत्मसम्मान से परिपूर्ण हो। वे चाहते थे कि गाँव अपनी आवश्यकताओं और विकास के लिए अपनी सामूहिक शक्ति को पहचानें।

यहीं गांधी जी का विचार सहकारिता से जुड़ता है। सहकारिता व्यक्ति की क्षमता को सामूहिक शक्ति में बदलने की व्यवस्था है। इसमें कोई अकेला नहीं चलता हर सदस्य की भागीदारी, हर सदस्य का विश्वास और हर सदस्य का योगदान संस्था को आगे बढ़ाता है। इसलिए सहकारिता केवल आर्थिक संगठन नहीं, बल्कि सांझी जिम्मेदारी और सामूहिक प्रगति की कार्य संस्कृति है।

हरियाणा की धरती पर इस भावना का महत्व और भी बढ़ जाता है। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रदेश के सामाजिक—आर्थिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार हैं। हमारे किसान ने अपनी मेहनत से न केवल खेतों को समृद्ध किया है, बल्कि प्रदेश और देश की खाद्य सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे में किसान को संगठित आर्थिक शक्ति प्रदान करने में सहकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लेकिन किसी भी सहकारी संस्था की सबसे बड़ी पूंजी उसका भवन, संसाधन या व्यवस्था नहीं उसके सदस्य होते हैं। एक जागरूक सदस्य संस्था को मजबूत करता है। एक सक्रिय सदस्य संस्था को जीवंत बनाता है। और जब सभी सदस्य सामूहिक हित के लिए आगे आते हैं, तो सहकारिता आर्थिक शक्ति में परिवर्तित होती है। इसीलिए आज आवश्यकता है कि सहकारिता को केवल सेवा प्राप्त करने की व्यवस्था के रूप में न देखा जाए। प्रत्येक सदस्य स्वयं से यह प्रश्न करे मैं अपनी संस्था के लिए क्या योगदान दे सकता हूँ? संस्था की बैठकों में सहभागिता, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी, पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता, अपने दायित्वों का समय पर निर्वहन और अन्य सदस्यों के हितों का सम्मान यही वे छोटे कदम हैं, जिनसे सहकारिता की बड़ी शक्ति निर्मित होती है।

गांधी जी का स्वावलंबन भी आज नए अर्थों में हमारे सामने है। आधुनिक समय में आत्मनिर्भरता का अर्थ अकेले खड़े होना नहीं, बल्कि ज्ञान, तकनीक, संस्थागत सहयोग और सामूहिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए अपनी क्षमता को बढ़ाना है। सहकारिता इसी सामूहिक आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन सकती है।

आज हरियाणा की सहकारिता के सामने नई संभावनाएँ हैं—डिजिटल तकनीक, आधुनिक कृषि, मूल्यवर्धन, बेहतर विपणन, महिला सहभागिता, युवा उद्यमिता और ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों का विस्तार। इन अवसरों को वास्तविक परिणामों में बदलने के लिए आवश्यक है कि संस्थाएँ सदस्य—केंद्रित हों और सदस्य संस्था—केंद्रित।

गांधी जी ने हमें सत्य और सेवा का मार्ग दिखाया और शास्त्री जी ने कर्तव्य और राष्ट्रहित की प्रेरणा दी और दशहरा हमें अच्छाई की विजय का विश्वास देता है। इन संदेशों को यदि सहकारिता के कार्यक्षेत्र में उतारा जाए, तो उनका सार एक ही बनता है—सत्यनिष्ठा से कार्य करें, सामूहिक हित को प्राथमिकता दें, स्वावलंबन की ओर बढ़े और किसी को पीछे छोड़कर नहीं, सभी को साथ लेकर आगे बढ़ें। आइए, हम केवल महान व्यक्तित्वों और पर्वों को स्मरण न करें, बल्कि उनके संदेशों को कार्य में परिवर्तित करने का संकल्प लें। हरियाणा की सहकारिता को और अधिक पारदर्शी, सहभागी, उत्तरदायी और सदस्य—केंद्रित बनाना हम सभी की सांझा जिम्मेदारी है क्योंकि गांधी का स्वावलंबन तभी सार्थक है, जब गाँव सशक्त होंगे, तभी सदस्य संगठित होंगे, सहकारिता विश्वास और सहभागिता के साथ आगे बढ़े। आइए, इसी विचार के साथ "सहकारिता से समृद्धि" को केवल एक ध्येय—वाक्य नहीं, बल्कि हर सदस्य के व्यवहार और हर संस्था की कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाएँ।

सशक्त सदस्य—सुदृढ़ सहकारिता।
आत्मनिर्भर गाँव—समृद्ध हरियाणा।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
पंकज यादव, भा.प्र.से.
प्रधान सचिव
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
डॉ. सुभिता ढाका, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव अत्री

सुविचार

जीवन का उद्देश्य केवल जीना नहीं बल्कि कुछ ऐसा करना जिससे देश का गौरव बढ़े।

-लाल बहादुर शास्त्री

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय	4
डाहर शुगर मिल की राष्ट्रीय उपलब्धि से पानीपत का बढ़ा गौरव, सहकारिता मंत्री ने ग्रहण किया प्रथम पुरस्कार	6-7
राष्ट्रीय स्तर पर शाहाबाद, करनाल और पानीपत सहकारी चीनी मिलों को प्रथम पुरस्कार	8-9
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर फरीदाबाद में आयोजन - सहकारिता संबंधी पहलों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संगम	10-11
आशीर्वाद का दिया: सेवा, समर्पण और सहकारिता के प्रकाश से जनकल्याण का संकल्प	12-13
उत्तर भारत में सबसे महंगा बिका महम की चीनी मिल का शीरा	13
यमुनानगर में चला सहकारिता जागरूकता अभियान	14-19
हरियाणा राज्य सहकारी —कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक की 44वीं वार्षिक आम सभा आयोजित	20
दि हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक लि0 (हरको बैंक) चण्डीगढ़	21
उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, श्री यशपाल दहिया हुए सेवानिवृत्त सहकारिता विभाग में समर्पित सेवाओं का एक लंबा सफर	22
कविता	23
जीवामृत (जीव अमृत) और इसके निर्माण की विधि	24-25
खादी प्राकृतिक खेती से उत्पन्न वस्त्रों का प्रतीक	26-27
प्रैस कतरनें	28
इंटर डिपार्टमेंट कोऑपरेशन क्रिकेट लीग	29
विज्ञापन	30

डाहर शुगर मिल की राष्ट्रीय उपलब्धि से पानीपत का बढ़ा गौरव, सहकारिता मंत्री ने ग्रहण किया प्रथम पुरस्कार

पानीपत सहकारी चीनी मिल डाहर ने रचा इतिहास, तकनीकी दक्षता में देशभर में प्रथम

94.61 प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ पानीपत शुगर मिल को मिला राष्ट्रीय स्तर पर पहला पुरस्कार



पानीपत सहकारी चीनी मिल डाहर ने तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में देशभर में अपनी अलग पहचान कायम करते हुए इतिहास रच दिया है। वर्ष 2025–26 के पेराई सत्र में शानदार प्रदर्शन के आधार पर मिल को राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी दक्षता का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है।

दिनांक 22 सितंबर को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में सहकारिता मंत्री हरियाणा डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा, उपायुक्त पानीपत डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के हाथों यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रहण किया। लगभग 94.61 प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ मिली इस उपलब्धि से जिले का गौरव बढ़ा है।

पानीपत सहकारी चीनी मिल की इस उपलब्धि को जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण

वर्ष 2025–26 के पेराई सत्र के दौरान मिल ने 61.50 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की तथा 5.62 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया। मिल ने इस दौरान बिजली का उत्पादन कर करीब 29 करोड़ रुपये की बिजली की बिक्री भी की। तकनीकी दक्षता और क्षमता के बेहतर उपयोग के चलते मिल को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान हासिल हुआ है।

राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ की ओर से वर्ष 2025–26 के दक्षता पुरस्कारों के लिए विभिन्न सहकारी चीनी मिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के आधार पर पानीपत सहकारी चीनी मिल को तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया। मिल ने 94.61 प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

61.50 लाख क्विंटल गन्ने की हुई पेराई

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा ने इस उपलब्धि पर पानीपत सहकारी चीनी मिल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार मिल के अधिकारियो, कर्मचारियों और किसानों के संयुक्त प्रयास, मेहनत, लगन और सहयोग का परिणाम है। चुनौतीपूर्ण पेराई सत्र के बावजूद मिल ने तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया है। पेराई सत्र 2025–26 में पानीपत सहकारी चीनी मिल ने 61.50 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की। यह प्रदेश की 11 सरकारी चीनी मिलों में सबसे अधिक पेराई है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2022 में डाहर गांव में 50 हजार क्विंटल प्रतिदिन पेराई क्षमता वाला नया गन्ना मिल संयंत्र स्थापित किया।

उपायुक्त पानीपत डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि सहकारी चीनी मिल डाहर को राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने मिल के अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का भी विशेष रूप से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान मिल के अधिकारियों, कर्मचारियों और किसानों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।



राष्ट्रीय स्तर पर शाहाबाद, करनाल और पानीपत सहकारी चीनी मिलों को प्रथम पुरस्कार

'सहकारी चीनी मिलों को बायो-एनर्जी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा हरियाणा'



हरियाणा के सहकारिता, कारागार, पर्यटन, विरासत एवं निर्वाचन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर शाहाबाद, करनाल और पानीपत की सहकारी चीनी मिलों को विभिन्न श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार मिलना हरियाणा के लिए गौरव की बात है। प्रदेश सहकारी चीनी मिलों को केवल चीनी उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय आधुनिक और बहुउत्पादक बायो-एनर्जी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

डॉ. अरविंद शर्मा नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज द्वारा आयोजित नेशनल शुगर एंड बायो-एनर्जी कॉन्क्लेव, इंडस्ट्री एग्जीबिशन एंड इनोवेशन एक्सपो को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, कृष्ण पाल गुर्जर तथा फेडरेशन के अध्यक्ष

हर्षवर्धन पाटिल सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

'शाहाबाद, करनाल और पानीपत मिलों ने बढ़ाया हरियाणा का गौरव'

डॉ. शर्मा ने बताया कि शाहाबाद सहकारी चीनी मिल को पेराई सत्र 2024–25 के लिए 'अन्य रिकवरी क्षेत्र' में तकनीकी दक्षता का प्रथम पुरस्कार मिला है। करनाल सहकारी चीनी मिल ने तकनीकी दक्षता और गन्ना विकास के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि पानीपत सहकारी चीनी मिल को तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार मिला है। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार किसानों, मिल कर्मचारियों, अभियंताओं और प्रबंधन के सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं।

'690 KLPD एथेनॉल परियोजनाओं पर करीब 1200 करोड़ रुपये का निवेश'

डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रदेश में 690 KLPD क्षमता से जुड़े एथेनॉल प्रोजेक्ट्स पर करीब 1200 करोड़ रुपये के निवेश की दिशा में काम किया जा रहा है। पानीपत में 90 KLPD क्षमता की एथेनॉल परियोजना पर करीब 200 करोड़ रुपये के निवेश की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं। भविष्य में चीनी के साथ एथेनॉल, बिजली, शीरा, बगास, प्रेसमड, बायो–सीबीजी और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों पर जोर दिया जाएगा।

'285.92 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई, 12.20 करोड़ यूनिट बिजली ग्रिड को दी'

सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सहकारी चीनी मिलों को किसान हितैषी होने के साथ आर्थिक रूप से सक्षम और आधुनिक बनाने पर काम कर रही है। हरियाणा शुगरफैड से जुड़ी सहकारी चीनी मिलों ने 285.92 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई कर करीब 26.24 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है। मिलों ने को–जनरेशन के माध्यम से करीब 12.20 करोड़ यूनिट बिजली ग्रिड को निर्यात की, जिससे लगभग 76.60 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

'किसान रहेगा पूरी व्यवस्था के केंद्र में'

डॉ. शर्मा ने कहा कि गन्ना किसान इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में है। गन्ने की उत्पादकता बढ़ाने के लिए चार फुट की दूरी पर बिजाई, उन्नत किस्मों, टिश्यू कल्चर और मशीनी कटाई को प्रोत्साहित किया जा रहा है। चार फुट की दूरी पर बिजाई करने वाले किसानों को 5,000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्रदेश की सभी 10 सहकारी चीनी मिलों को आधुनिक, बहुउत्पादक, पारदर्शी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर संस्थानों के रूप में विकसित करना है। गन्ना किसान मजबूत होगा तो मिल मजबूत होगी और मिल मजबूत होगी तो सहकारिता तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।





प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर फरीदाबाद में आयोजन – सहकारिता संबंधी पहलों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संगम

फरीदाबाद – 17 सितंबर 2026 सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सहकारिता परिवार ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता के माध्यम से सेवा, सहभागिता और जनकल्याण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, श्री धनेश अधलखा विधायक बड़खल, श्री विजय लोहिया चेयरमैन जिला परिषद, संजय हुड्डा महाप्रबंधक सहकारी बैंक फरीदाबाद, श्री प्रवीण कादयान सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां उपस्थित थे।

यह आयोजन हरकोफैड, पंचकूला, वीटा प्लांट, बल्लभगढ़,केंद्रीय सहकारी बैंक, फरीदाबाद, हेफैड इफको, कृषक संस्थाओं, एलआईसी, फीड तथा डी.पी.सी.आर.डी.बी., फरीदाबाद के संयुक्त प्रयासों से संपन्न हुआ। विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता ने सहकारिता के क्षेत्र में समन्वय और सामूहिक कार्यप्रणाली को दर्शाया।

कार्यक्रम का मंच संचालन हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ, पंचकूला के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री सत्यनारायण यादव ने किया। स्वागत संबोधन हाउसफैड पंचकूला के प्रबंध निदेशक श्री योगेश शर्मा ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और सहकारिता क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों ने दीप प्रज्वलित किया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। दीप प्रज्वलन को सेवा, आशा और सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर 'सहकार से समृद्धि' की अवधारणा के संदर्भ में सहकारिता के माध्यम से किसान, महिला, युवा और ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

कार्यक्रम में सहकारिता मंत्रालय से संबंधित पिछले पाँच वर्षों की पहलों और कार्यों का उल्लेख



किया गया। वक्ताओं ने '155 से अधिक महत्वपूर्ण पहलों एवं कार्यों' के दावे को मंत्रालय की उपलब्ध जानकारी और संबंधित आधिकारिक स्रोतों के संदर्भ में प्रस्तुत किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। पहले पैक्स ऋणसंबंधी कार्य करती थीं लेकिन अब पैक्स को बहुउद्देशीय बनाया गया है और वे 25 से अधिक प्रकार की गतिविधियों से जुड़ रहा है अब पैक्स में सी. एस. सेंटर जनऔषधि केंद्र, अन्न भंडारण एवं एल.पी.जी. एवं पेट्रोल पंप के आउटलेट, खाद–बीज की दुकान,जल जीवन से जुड़े कार्य सहित अनेक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं

विशेष रूप से पैक्स (PACS) को बहुउद्देशीय बनाने की पहल पर चर्चा की गई। इसके अंतर्गत पैक्स को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्थानीय सेवाओं और सामुदायिक विकास से जुड़े केंद्रों के रूप में विकसित करने के प्रयासों का उल्लेख किया गया।

इसके अतिरिक्त, नेशनल कोऑपरेटिव डेटाबेस, नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट सोसाइटी (NCEL), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (NCOL) तथा भारत बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) जैसी पहलों की जानकारी सांझा की गई। इन पहलों के उद्देश्यों में किसानों के लिए बाजार अवसरों का विस्तार, गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता, जैविक उत्पादों के विपणन और सहकारी संस्थाओं के माध्यम से आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देना शामिल है।

सहकारिता के मूल सिद्धांत को इस प्रकार व्यक्त किया गया "किसान ही मालिक, किसान ही भागीदार और किसान ही लाभार्थी।"

कार्यक्रम के दौरान फरीदाबाद जिले में पंजीकृत सीएम पैक्स (CM PACS) को पंजीकरण प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। आयोजकों ने इसे ग्रामीण स्तर पर सहकारी संस्थाओं के विस्तार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक कदम बताया।

सहकारिता के माध्यम से समृद्ध हरियाणा का संकल्प 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में सेवा, सहयोग और जनकल्याण की भावना को विभिन्न सहकारी संस्थाओं और विभागीय सहयोगियों की सहभागिता ने सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सहकारिता संबंधी उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।





आशीर्वाद का दीया:
सेवा, समर्पण और सहकारिता के प्रकाश से जनकल्याण का संकल्प

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, हरियाणा के कार्यालय में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। हरियाणा सहकारिता विभाग के मार्गदर्शन एवं हरकोफैड के आयोजन में संपन्न इस कार्यक्रम में सहकारिता, सेवा, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याण की भावना को प्रमुखता प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा सहकारिता विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज यादव रहे।

इस अवसर पर सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को सशक्त बनाने, सामूहिक सहयोग को प्रोत्साहित करने तथा जनसेवा के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम ने आपसी विश्वास, सहभागिता और सकारात्मक सामाजिक योगदान की भावना को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुभिता ढाका, रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, हरियाणा ने मुख्य अतिथि श्री पंकज यादव का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को मिल रहे महत्व और विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया।डॉ. सुभिता ढाका ने अपने संबोधन में 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के भाव को वर्णित करते हुए समाज के वंचित एवं शोषित वर्गों को सशक्त बनाने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि मानव सेवा सहकारिता का नैतिक कर्तव्य है, जिसके माध्यम से सहयोग, समानता और जनकल्याण की भावना को साकार किया जा सकता है।

अपने संबोधन में डॉ. सुभिता ढाका ने सहकारिता को केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित न मानकर सामाजिक एकजुटता, सामूहिक उत्तरदायित्व और समावेशी विकास का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि सहकारिता की वास्तविक शक्ति उसके सदस्यों की सक्रिय सहभागिता, पारस्परिक सहयोग और सांझा उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्धता में निहित है।

उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को सेवा और सद्भावना से जोड़ते हुए इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक सकारात्मक प्रयास समाज में विश्वास, आशा और सहयोग का वातावरण बनाने में योगदान दे सकता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पंकज यादव, प्रधान सचिव, सहकारिता विभाग, हरियाणा ने अपने संबोधन में सहकारिता के महत्व तथा जनकल्याण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सहयोग, समर्पण और जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।



उन्होंने सहकारिता की मूल भावना—'एकता में शक्ति और सहभागिता से समृद्धि'—को रेखांकित करते हुए किसानों, ग्रामीण समुदायों, महिलाओं और अन्य लाभार्थी वर्गों तक सहकारिता के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पहुँचाने के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश सामने आया कि सहकारिता केवल संस्थागत व्यवस्था नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को सांझा विकास की प्रक्रिया से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन हरकोफैड द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री नरेश गोयल, प्रबंध निदेशक, हरकोफैड सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सहकारिता विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहभागिता ने कार्यक्रम को संस्थागत सहयोग, सामूहिक जिम्मेदारी और सेवा भावना से जोड़ा। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सहकारिता के मूल सिद्धांतों को व्यवहार में अपनाने तथा जनहित से जुड़े कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का संदेश दीपक की प्रतीकात्मक भावना से जुड़ा रहा—एक छोटी—सी ज्योति भी आशा, विश्वास और सकारात्मकता का प्रकाश फैला सकती है। इसी प्रकार, सहकारिता के क्षेत्र में प्रत्येक सदस्य का योगदान सामूहिक प्रगति की नींव को मजबूत करता है।

कार्यक्रम ने सेवा, समर्पण, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को रेखांकित करते हुए सहकारिता के माध्यम से जनकल्याण एवं समृद्धि के प्रयासों को नई ऊर्जा देने का संदेश दिया।

सहकारिता का दीप प्रज्वलित रहे, सेवा और समृद्धि का प्रकाश हर गाँव और हर परिवार तक पहुँचे—यही 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम की सार्थक प्रेरणा रही।

उत्तर भारत में सबसे महंगा बिका महम की चीनी मिल का शीरा



महम :— स्थानीय चीनी मिल की ओर से निर्मित शीरा पूरे उत्तर भारत में 1770 रूपये प्रति क्विंटल की दर से बिका है जो सबसे महंगा है। शनिवार को 3000 क्विंटल शीरे की बिक्री की गई।

मिल के प्रबंध निदेशक मुकुंद तंवर, एच.सी.एस ने बताया कि यह बिक्री सरकार की ओर से अधिकृत स्टार एग्री बाजार पोर्टल के माध्यम से हुई।

यह हरियाणा समेत उत्तर भारत में सत्र 2025—26 के लिए अब तक की सबसे उच्चतम दर है। इसी दिन कुरूक्षेत्र के शाहाबाद की चीनी मिल ने 2010 क्विंटल शीरा 1675 रूपये प्रति क्विंटल की दर से बेचा।

महम मिल पहले भी हरियाणा में शीरे की सबसे ज्यादा दरों पर बिक्री कर चुकी है। तंवर ने कहा कि मिल प्रबंधन की रणनीति के कारण शीरे को अच्छे भाव मिल रहे हैं जिससे मिल और किसान दोनों को लाभ होगा।

पशु आहार बनाने में होता है शीरे का उपयोग : शीरा गन्ने के रस से चीनी बनाने की प्रक्रिया का एक उप—उत्पाद है। यह एक गाढ़ा चिपचिपा और गहरे भूरे रंग का तरल होता है। इसमें चीनी की कुछ मात्रा और अन्य पोषक तत्व मौजूद होते हैं। शीरे का उपयोग मुख्य रूप से पशु आहार बनाने में होता है। इसे इथेनॉल उत्पादन के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। शीरा कुछ खाद्य उत्पादों और औद्योगिक प्रक्रियाओं में भी काम आता है।

यमुनानगर में चला सहकारिता जागरूकता अभियान

कृषि मंत्री ने बांटा जेएलजी ग्रुपर्स को एक करोड़ रूपये का चैक व सीएम पैक्स समितियों को वितरित किए रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र



यमुनानगर, 18 सितंबर :– हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ द्वारा जगाधरी के गुप्ता पैलेस में सहकारिता जागरूकता अभियान के अतंर्गत जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने बतौर मुख्यातिथि तथा हरियाणा के पूर्व केबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने विशिष्ट अतिथि शिरकत की और हर नागरिक को सहकारिता अपनाने पर जोर दिया। सहकारिता विचार गोष्ठी में पहुंचने पर आयोजकों द्वारा मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि को शॉल व भगवान गणेश जी की मूर्ति भेंट कर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित करके की गई।

सहकारिता विचार गोष्ठी में बोलते हुए हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि यदि हमें देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो हमें सहकारिता को अपनाना होगा। देश को आगे बढ़ाने के साथ–साथ हर नागरिक के लिए सहकारिता अपनाना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्व के देशों में यदि भारत को मजबूत बनाना है तो हमें सहकार की ओर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सहकार से समृद्धि, समृद्धि से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता से सशक्त किसान और सशक्त देश व प्रदेश होगा। उन्होंने कहा कि हमारी भूमि सीमित होने के कारण हमारी खेती की लागत भी बढ़ रही है। इसलिए खेती में प्रयोग होने वाली मंहगी दवाइयों व रासायनिक खादों को छोडकर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। बदलते परिवेश के कारण प्राकृतिक खेती हम सभी की जरूरत है। प्राकृतिक खेती अपनाने से हमारा खर्च कम व आमदनी ज्यादा होगी,क्योंकि प्राकृतिक खेती में किसी भी प्रकार की दवाई व रासायनिक खाद का प्रयोग नहीं होगा।


सहकार से समृद्धि


(हरकोफैड)

कृषि मंत्री, हरियाणा श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है और हमारे देश में कृषि भूमि का अधिकांश क्षेत्र समतल है। जिस पर प्राकृतिक खेती करना बहुत ही सरल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर नागरिक एवं किसानों की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि किसान सहकार को अपनाकर आत्मनिर्भर व सक्षम बनें। सरकार किसानों को अनुदान राशि पर कृषि यंत्रों एवं अन्य कृषि ऋणों पर विशेष सुविधाएं दे रही है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भाजपा सरकार ने अनेकों योजनाएं चलाई है। इसलिए हमें अपने देश की उन्नति व भारत को विश्व के पटल पर आगे ले जाने के लिए सहकार को अपनाना होगा। देश के गृहमंत्री अमित शाह देश में सहकार को बढ़ावा देने पर गंभीरता से कार्य कर रहे है।



सहकारिता विचार गोष्ठी में हरियाणा के पूर्व केबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि किसानों को रासायनिक दवाईयां व खाद से अपनी निर्भरता को त्याग कर प्राकृतिक खेती से जुड़ना चाहिए। सहकार के सभी कार्य सरकार द्वारा नहीं किए जा सकते, इसलिए हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि सहकारिता को अपनाने के लिए हमें आगे आना चाहिए। सहकार केवल नारा नहीं, सरकार का संकल्प है। एक अकेला किसान कितना भी मेहनती क्यों न हो, बाजार में अकेला कमजोर पड़ जाता है। जब वही किसान सहकारी समिति से जुड़ता है, तो उसकी ताकत बढ़ जाती है। सही दाम मिलता है, समय पर कर्ज मिलता है।

उन्होंने कहा कि देश में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कार्य कर रही है और स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बन अपना व अपने परिवारों का गुजारा कर रही है। यदि हम देश में सहकारिता से जुड़ेगें तो देश में उन्नति की लहर आ सकती है और



देश को आगे बढने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को आत्मनिर्भर एवं संपन्न तथा देश को मजबूत करने के लिए हमें सहकार से जुडना होगा। आज के समय में सहकार हर नागरिक की जरूरत है। आज आवश्यकता है कि हम सहकारिता और अधिक मजबूत बनाएं तथा आधुनिक तकनीक और नवाचार को इसके साथ जोड़ें।

हरकोफैड के प्रचार एवं शिक्षा अधिकारी सौरव अत्री ने सहकारिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि हरकोफैड प्रत्येक जिले में सहकारिता प्रधान सचिव पंकज यादव सहकारी समितियां रजिस्ट्रार डॉ. सुमिता ढाका व हरकोफैड प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल के मार्गदर्शन में सहकारिता जागरूकता अभियान चला रहा है।

इस अवसर पर जिला के सहकारिता संयोजक एवं एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी. के उपाध्यक्ष रामजतन गुर्जर डमौली, भाजपा के जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, जिला भाजपा महामंत्री प्रवीन खदरी, रामपाल नम्बरदार विभिन्न गांवों से आए किसान एवं ग्रामीण भी उपस्थित रहें।




सहकार से समृद्धि
(हस्कोफैड)
हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि., पंचकुला
समृद्धि से आत्मनिर्भरता
18-09-2026
ONE CRORE ONLY
10000000/-





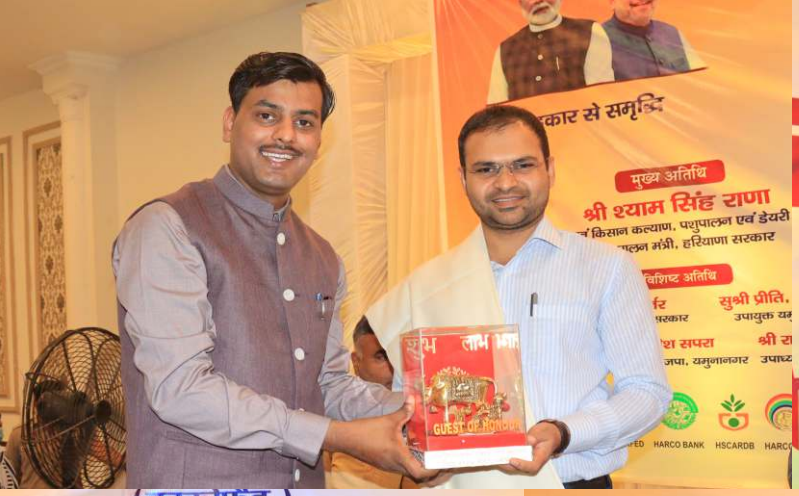


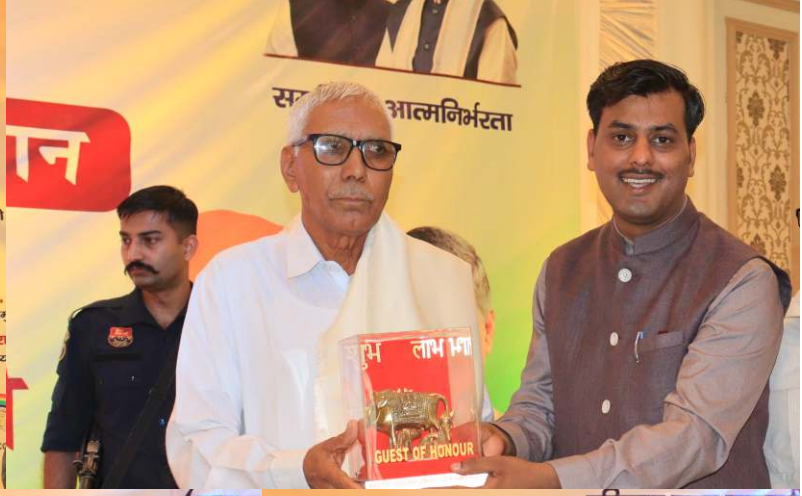



HAFED




Vita


मुख्य अतिथि
श्री श्याम सिंह राणा
विशिष्ट अतिथि
HARCO BANK
HSCARDB
GUEST OF HONOUR


आत्मनिर्भरता
GUEST OF HONOUR


(हरकोफैड)
हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला
द्वारा आयोजित


हरियाणा राज्य सहकारी


हरियाणा राज्य सहकारी


(हरकोफैड)
हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला
द्वारा आयोजित


(हरकोफैड)
हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला
द्वारा आयोजित


हरियाणा राज्य सहकारी


(हरकोफैड)
हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला
द्वारा आयोजित


सहकारिता विभाग, हरियाणा
(हरकोफैड)
हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला
द्वारा आयोजित


सहकारिता विभाग, हरियाणा
(हरकोफैड)
हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला
द्वारा आयोजित



हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक की 44वीं वार्षिक आम सभा आयोजित

पंचकूला :– दी हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड की 44वीं वार्षिक आम सभा की बैठक पी.डब्ल्यू.डी. रेस्ट हाउस, सेक्टर–1, पंचकूला में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बैंक के चेयरमैन श्री सुभाष कलसाना ने की।

बैठक में एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी. के उपाध्यक्ष श्री राम जतन, प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल, अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, श्री वीरेन्द्र दहिया सहित बैंक के निदेशक, विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025–26 की वित्तीय स्थिति एवं बैलेंस शीट को स्वीकृति प्रदान की गई। वर्ष 2026–27 के दौरान विभिन्न वर्गों को ऋण उपलब्ध करवाने के लिए प्रबंध निदेशक को अधिकृत किया गया। साथ ही शिक्षा ऋण, कार ऋण एवं अन्य ऋणों के अधिक से अधिक वितरण को बढ़ावा देने तथा ऋण सुविधा को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर चर्चा की गई।



दी पंचकुला केंद्रीय सहकारी बैंक लि0 की 31वीं वार्षिक आम सभा की बैठक में पंचकुला के अतिरिक्त उपायुक्त श्री विवेक आर्य, भा.प्र.से जी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते बैंक के महाप्रबंधक श्री यशवीर सिंह। इस अवसर पर श्री विनोद कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक, श्री विजेन्द्र, निरीक्षक सहकारी समितियां पंचकुला उपस्थित रहे।



दि हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक लि0 (हरको बैंक) चण्डीगढ़

हरको बैंक की 59 वीं वार्षिक आम सभा की बैठक दिनांक 16.09.2026 को श्री भारत भूषण जुयाल, चेयरमैन हरको बैंक की अध्यक्षता में हरियाणा निवास सैक्टर–3 चण्डीगढ़ में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर श्री सुशील सारवान, आई.ए.एस., प्रबंध निदेशक हरको बैंक ने, चेयरमैन हरको बैंक का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया तत्पश्चात श्री अशोक कुमार वर्मा महाप्रबंधक द्वारा माननीय प्रबंध निदेशक हरको बैंक का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इसके पश्चात् माननीय प्रबंध निदेशक हरको बैंक द्वारा श्रीमती निवेदिता तिवारी महा–प्रबंधक, नाबार्ड चण्डीगढ़, श्री अमित आर्य मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी, प्रतिनिधि रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा व विभिन्न केन्द्रीय सहकारी बैंकों से आये हुये सभी प्रतिनिधियों व हरको बैंक के निदेशक मंडल के सदस्यों का फूल व गुलदस्ते देकर स्वागत किया गया । कार्यक्रम का संचालन श्री अशोक कुमार, महाप्रबंधक द्वारा किया गया।

इस अवसर पर बैंक के चेयरमैन श्री भारत भूषण जुयाल ने बताया कि हरको बैंक ने वर्ष 2025–26 के दौरान मु0.77.60 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। बैंक की अमानतें वर्ष 2025–26 में 3947.03 करोड़ रूपये हैं और बैंक की हिस्सापूंजी 315.87 करोड़ रूपये है तथा बैंक की कार्यशील पूंजी वर्ष 2025–26 में मु0.12490.86 करोड़ रूपये हो गई है।

श्री जुयाल ने बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि सभी जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों के भवनों में सोलर प्रणाली लगाई जानी चाहिए और सहकारी बैंकों की सभी योजनाओं का प्रचार–प्रसार किया जाये, जिससे कि ग्रामीण जनमानस राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठा सके।

बैठक के दौरान सभी एजेंडा आईटम का विचारोपरांत अनुमोदन किया गया।

बैठक के दौरान श्री सुशील सारवान, आई.ए.एस., प्रबंध निदेशक ने कहा कि सहकारी बैंकों के साथ आम जनमानस को जोड़ने के लिए अभियान की तरह कार्य करने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि तकनीकी के क्षेत्र में साफ्टवेयर विकसित करके ऐप के माध्यम से सहकारी बैंकों की सभी प्रकार की योजनाओं और कार्यप्रणाली की जानकारी सभी उपभोक्ताओं तक पहुंच होनी चाहिए।

इस अवसर पर श्रीमती निवेदिता तिवारी महाप्रबंधक, नाबार्ड ने अपने सम्बोधन में कहा कि नाबार्ड हर क्षेत्र में परस्पर सहयोग के लिए तत्पर है ।

श्री अशोक कुमार, महाप्रबंधक ने अपने सम्बोधन में कहा कि बैंकों को अपने बिल्डिंग फंड का प्रयोग बैंक के एसेट्स निर्माण के लिए किया जाना चाहिए ।

अंत में बैंक के चेयरमैन श्री भारत भूषण जुयाल ने बैठक में आये हुये सभी प्रतिनिधियों से आहवान किया कि सब मिलकर सामुहिक प्रयास से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन 'सहकार से समृद्धि' को साकार करने के लिए एकजुट होकर कार्य करें, श्री नायब सिंह सैनी माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा तथा डॉ. अरविंद कुमार शर्मा माननीय सहकारिता मंत्री हरियाणा के नेतृत्व में हरको बैंक विजन 2047 के अंतर्गत अपने लक्ष्यों को पूरा करेगा। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों का बैठक में सम्मिलित होने के लिए धन्यवाद किया।

उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, श्री यशपाल दहिया हुए सेवानिवृत्त
सहकारिता विभाग में समर्पित सेवाओं का एक लंबा सफर



सहकारिता विभाग हरियाणा में लंबे समय तक विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं देने वाले श्री यशपाल दहिया, उप–रजिस्ट्रार सहकारी समितियां (DRCS), 30 सितंबर 2026 को अपनी दीर्घ सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुए।

श्री यशपाल दहिया का जन्म 11 सितंबर 1968 को जिला सोनीपत के निरथान, तहसील खरखौदा में हुआ। ग्रामीण परिवेश से निकलकर उन्होंने सरकारी सेवा में एक लंबी और अनुभवपूर्ण यात्रा तय की। वर्ष 1994 में इंस्पेक्टर के रूप में शुरू हुई उनकी सेवायात्रा 30 सितंबर 2026 को उप–रजिस्ट्रार सहकारी समितियां के पद से सेवानिवृत्ति के साथ पूर्ण हुई। तीन दशक से अधिक लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्य करते हुए सहकारिता विभाग की प्रशासनिक व्यवस्था, सहकारी समितियों तथा जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया।

श्री यशपाल दहिया ने 4 मार्च 1994 को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से सहकारी समितियां विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर अपनी सरकारी सेवा प्रारंभ की। उनकी पहली नियुक्ति महम (रोहतक) में हुई। इसके बाद इन्होंने समालखा और पानीपत में भी इंस्पेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दीं। प्रारंभिक सेवाकाल में ही उन्हें सहकारी समितियों के ज़मीनी स्तर के कामकाज को समझने तथा विभागीय कार्यों का व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ।

लगातार कार्य अनुभव और विभागीय सेवाओं के दौरान अर्जित दक्षता के आधार पर दिनांक 10 नवंबर 2006 को इन्हें सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां (ARCS) के पद पर पदोन्नति मिली। इस पद पर रहते हुए इन्होंने पानीपत, मंडी डबवाली, सोनीपत, सफीदों, महेंद्रगढ़, नारनौल, करनाल और पंचकूला सहित विभिन्न स्थानों पर कार्य किया। अलग–अलग जिलों में जिम्मेदारियां संभालते हुए उन्होंने सहकारी समितियों से जुड़े विभागीय कार्यों को पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाया।

श्री दहिया के सेवाकाल में जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के साथ उनका कार्य भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, फरीदाबाद में प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया। इसके पश्चात गुरुग्राम एवं झज्जर जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में भी प्रबंध निदेशक के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। बैंक प्रबंधन के दौरान ऋण वसूली सहित बैंक की कार्यप्रणाली और अन्य गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। इनके कार्यकाल में झज्जर एवं गुरुग्राम जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों का प्रथम स्थान पर रहना उनके कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल रहा।

दिनांक 27 जून 2018 को श्री यशपाल दहिया को उप–रजिस्ट्रार सहकारी समितियां के पद पर पदोन्नति मिली। इसके बाद उन्होंने हिसार, भिवानी, गुरुग्राम, करनाल, कुरुक्षेत्र और रोहतक सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में अपनी सेवाएं दीं। इसके साथ ही रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा मुख्यालय में भी इन्होंने महत्वपूर्ण दायित्व संभाले। रोहतक में उन्होंने प्रिंसिपल सी.सी.एम के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

विभिन्न पदों और अलग–अलग कार्यक्षेत्रों में कार्य करने के कारण श्री दहिया को सहकारिता विभाग के जमीनी कार्य से लेकर प्रशासनिक एवं सहकारी बैंकिंग व्यवस्था तक का व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ। इंस्पेक्टर के पद से शुरू हुआ उनका सफर सहायक पंजीयक, जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशक और अंततः उप–पंजीयक सहकारी समितियां जैसे महत्वपूर्ण पदों तक पहुंचा। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के अनेक जिलों में विभागीय जिम्मेदारियां निभाईं और सहकारिता क्षेत्र से जुड़े विभिन्न कार्यों को नजदीक से समझा।

हरकोफैड की ओर से श्री यशपाल दहिया जी को उनकी सेवानिवृत्ति पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। विभाग में उनके द्वारा दी गई दीर्घ एवं महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए हम उनके स्वस्थ, सुखद एवं शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना करते हैं। जीवन का यह नया पड़ाव उनके लिए स्वास्थ्य, प्रसन्नता, पारिवारिक सुख और समृद्धि से परिपूर्ण हो इन्हीं शुभकामनाओं के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना है।









कविता

चलो इस बार कुछ नया करें

चलो इस बार कुछ नया करें ,
दशहरे के दिन कुछ नया करें,
आज के दिन अपने अभिमान का दहन करें,
अच्छाई को अपनाकर बुराई का दहन करें ,
मर्यादा,संयम से भीतर का घमंड का दमन करें ,
चलो इस बार कुछ नया करें ।

मोह,लोभ, आलस्य का त्याग करें,
अपने अंदर के अंधियारे को मिटा कर
दीप को प्रज्वलित करें,
अग्नि में जल कर, शून्य से आरंभ करें ,
चलो इस बार कुछ नया करें ।

चलो सत्य की राह पर चलने का प्रयास करें ,
अपने मन में विश्वास का सेतु बने,
इस बार मिल कर मन से कुछ नया करें ,
अपने नए स्वरूप का सृजन करें ,
चलो इस बार कुछ नया करें ।

प्रतिशोध की भावना का त्याग करें,
अपने मन को पवित्र करें ,
नकरात्मक मुखौटे को हटाकर कुछ साकार करें,
मर्यादा पुरुषोत्तम राम की जय–जयकार करें ,
चलो इस बार कुछ नया करें ।
दशहरे के दिन कुछ नया करें,
चलो इस बार कुछ नया करें ।

स्वरचित रचना
अलका शर्मा "आनंद"

कुछ दर्द सम्भालने बाकी है

कुछ दर्द सम्भालने बाकी है,
एक मिला कुछ रोज पहले, कुछ ओर बाकी है।
बहुत धुल जमीं है दिल पर,
अभी ओर साफ होना बाकी है।
ना खफा हो उसके फैसले से तू,
वहां ना कोई वकील, ना दलील,
वो जज बेइंशा बुनियादी है।
खाता बही तेरा पक्का है,
मेरी नाराजगी बेवजह बाकी है।
मलाल ना करना तू,
उसके दर्द में मोहब्बत बेइंताह बाकी है।
अह्म तेरा भी मरना जरूरी है,
दुनियादारी से तेरा हिसाब अभी बाकी है।
लगें रहना तू अपनी धुन में,
यहां फैसले कागजी नाइन्साफी है।
खैर तू छोड़ सब,
बस उसको रूह से पुकारना बाकी है।

संजीव
लेखा परीक्षक हरकोफैड

जीवामृत (जीव अमृत) और इसके निर्माण की विधि

प्राकृतिक कृषि में हम दो तरह के उत्पाद (इनपुट्स) तैयार करते हैं – जीवामृत और घनजीवामृत। इनको बनाने का तरीका बहुत सरल है।

जीवामृत का निर्माण

1.	देशी गाय का गोबर	10 कि.ग्रा.
2.	देशी गाय का गोमूत्र	8–10 लीटर
3.	गुड़	1.5–2 कि.ग्रा.
4.	बेसन	1.5–2 कि.ग्रा.
5.	पानी	170 लीटर
6.	पेड़ के नीचे की मिट्टी	200 ग्राम

एक 200 लीटर का ड्रम लें, इसमें 170 से 180 लीटर पानी भरकर, इसे छाया में रखें। इसमें देशी गाय का 8 से 10 लीटर गोमूत्र और 8 से 10 किलो गोबर, डेढ़ से दो किलो गुड़ डेढ़ में दो किलो किसी भी दाल का बेसन और एक बड़े पेड़ के नीचे की एक मिट्टी डालें। मिट्टी के जीवाणुओं को बेसन के रूप में खाने के लिए प्रोटीन मिलेगा जिससे वे हष्ट–पुष्ट व स्वस्थ होंगे और गुड़ डालने से उनकी संख्या कई गुना (मल्टीप्लाई) बढ़ेगी। इस घोल को लकड़ी के डंडे से घड़ी की सुई की दिशा में (क्लॉकवाइज) 5 मिनट सवेरे और 5 मिनट शाम को 5 दिन घुमाएं, यह घोल गर्मियों में 24 से 48 घंटों में तथा सर्दियों में 4–5 दिनों में जीवामृत के रूप में तैयार हो जाएगा। ध्यान रहे जीवामृत मौसमानुसार तैयार होता है।

इस जीवामृत को, स्प्रिंकल अथवा ड्रिप के द्वारा या खुले पानी के साथ, एक ड्रम को एक एकड़ खेत में फैला दें जो जामुन का काम करेगा। जैसे एक क्विंटल दूध में एक बड़ा चम्मच दही डाल दें तो सारा दूध दही में बदल जाता है, ऐसे ही ये सूक्ष्म जीवाणु मिट्टी में जाने के बाद अपनी संख्या बड़ी तेजी से बढ़ाते हैं। ये जीवाणु वायुमंडल से नाइट्रोजन लेकर पौधों की जड़ों को देते हैं अतः हमें बाजार से यूरिया, डीएपी लाने की जरूरत नहीं है।

हमारी धरती में फास्फोरस, पोटाश, जिंक, मैगनीशियम इत्यादि तत्त्व पहले से ही विद्यमान होते हैं लेकिन ये सारे तत्व धरती में सुप्त अवस्था में होते हैं इसलिए ये अपने–आप पौधों के लिए भोजन का काम नहीं करते। इसके लिए मैं आपको एक सरल उदाहरण देता हूँ, हमारे घर की रसोई में नमक, तेल, आटा, दाल और सब्जियां इत्यादि सारी चीजें हैं लकिन इनसे अपने–आप भोजन नहीं बन सकता, जब तक हमारी माता या बहन रसोई में जाकर खाना नहीं बनाएगी। जो काम रसोई में हमारी मां–बहन करती हैं वही काम खेत में सूक्ष्म जीवाणु करते हैं। धरती में 16 तत्व विभिन्न रूप में पड़े होते हैं, उनको तोड़कर, ये जीवाणु पौधों के लिए भोजन बनाने का काम करते हैं। धरती में जितने जीवाणु बढ़ेंगे उतना ही धरती का ऑर्गेनिक कार्बन बढ़ेगा।

जीवामृत को महीने में एक बार या दो बार उपलब्धता के अनुसार, 200 लीटर प्रति एकड़ के हिसाब से सिंचाई के पानी के साथ दीजिए, इससे खेती में चमत्कार होगा।

फलों के पेड़ों के पास पेड़ की दोपहर 12 बजे जो छाया पड़ती है, उस छाया के पास प्रति पेड़ 2 से 5 लीटर जीवामृत भूमि पर महीने में एक बार या दो बार गोलाकार डालना है। जीवामृत डालते समय भूमि में नमी होना आवश्यक है।

जीवामृत का छिड़काव

गन्ना, केला, गेहूँ, ज्वार, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, चना,



सूरजमूखी, कपास, अलसी, सरसों बाजरा, मिर्च, प्याज, हल्दी, अदरक, बैंगन, टमाटर, आलू, लहसुन, हरी सब्जियां, फूल, औषधियुक्त पौधे, सुगन्धित पौधे आदि सभी पर 2 से लेकर 8 महीने तक जीवामृत छिड़काने की विधि इस तरह है। आप महीने में कम से कम एक बार, दो बार या तीन बार जीवामृत का छिड़काव करें।

खड़ी फसलों पर जीवामृत का छिड़काव

60 से 90 दिन की फसलें –

पहला छिड़काव :– बीज बुआई के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 100 लीटर पानी और 5 लीटर कपड़े से छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

दूसरा छिड़काव :– पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत को मिलाकर छिड़काव करें।

तीसरा छिड़काव :– दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या लस्सी मिलाकर छिड़काव करें।

90 से 120 दिन की फसलें –

पहला छिड़काव : बीज बुआई के 21 दिन बाद प्रति एकड़ लीटर पानी और कपड़े से छाना हुआ 5 लीटर जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

दूसरा छिड़काव : दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 150 लीटर पानी और 10 लीटर छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

तीसरा छिड़काव : दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

चौथा और आखिरी छिड़काव : यदि दाने दूध की अवस्था में या फल बाल्यावस्था में हो तो प्रति एकड़ 200 पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या 2 लीटर नारियल का पानी मिलाकर छिड़काव करें।

120 से 135 दिन की फसलें

पहला छिड़काव: बीज बुआई के एक माह बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर कपड़े से छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

दूसरा छिड़काव: पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 150 लीटर पानी और 10 लीटर जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

तीसरा छिड़काव: दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ (लस्सी) मिलाकर छिड़काव करें।

चौथा छिड़काव: तीसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी 20 लीटर जीवामृत में मिलाकर छिड़काव करें।

पांचवा और आखिरी छिड़काव: यदि दाने दूध की अवस्था में या फल बाल्यावस्था में हों तो प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या 2 लीटर नारियल का पानी मिलाकर छिड़काव करें।

135 से 150 दिन की फसलें

पहला छिड़काव: बीज बुआई के एक माह बाद प्रति एकड़ 100 लीटर पानी और 5 लीटर कपड़े से छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

दूसरा छिड़काव: पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 150 लीटर पानी और 10 लीटर जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

तीसरा छिड़काव: दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या लस्सी मिलाकर छिड़काव करें।

चौथा छिड़काव: तीसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी 20 लीटर जीवामृत में मिलाकर छिड़काव करें।

पांचवा छिड़काव: चौथे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

आखिरी छिड़काव: दाने दूध की अवस्था में या फल बाल्यावस्था में हों तो प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या 2 लीटर नारियल का पानी मिलाकर छिड़काव करें।

165 से 180 दिन की फसलें

पहला छिड़काव: बीज बुआई के एक माह बाद प्रति एकड़ 150 लीटर पानी और 5 लीटर कपड़े से छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

दूसरा छिड़काव: पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 150 लीटर पानी और 10 लीटर जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

तीसरा छिड़काव: दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ (लस्सी) मिलाकर छिड़काव करें।

चौथा छिड़काव: तीसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

पांचवा छिड़काव: चौथे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

आखिरी छिड़काव: यदि दाने दूध की अवस्था में या फल बाल्यावस्था में हों तो प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

गन्ना, केला, पपीता की फसल पर जीवामृत का छिड़काव इन फसलों पर बीज बोने या रोपाई के बाद पांच महीने तक ऊपर दी गई विधि के अनुसार छिडकाव करें। उसके बाद हर 15 दिन में प्रति एकड़ 20 लीटर जीवामृत कपड़े से छानकर 200 लीटर पानी में घोल बनाकर गन्ना, केला तथा पपीते के पौधों पर छिड़काव करें।

सभी फलदार पेड़ों पर जीवामृत का छिड़काव

फलदार पौधों (चाहे उनकी उम्र कोई भी हो) पर महीने में दो बार जीवामृत का छिड़काव करें। परिमाण (मात्रा) 20 से 30 लीटर जीवामृत कपड़े से छानकर 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़कना है। फल पकने से 2 महीने पहले फलदार पौधों पर नारियल का पानी 2 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इसके 15 दिन बाद 5 लीटर खट्टी छाछ या लस्सी 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़किए।

खादी

खादी प्राकृतिक खेती से उत्पन्न वस्त्रों का प्रतीक



भारत में खादी न केवल एक पारंपरिक वस्त्र है,बल्कि यह हमारे स्वतंत्रता संग्राम और आत्मनिर्भरता की पहचान भी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वदेशी आन्दोलन के माध्यम से खादी को बढ़ावा दिया, जिससे यह भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीयता का प्रतीक बन गया। आज के समय में,खादी पर्यावरण के प्रति जागरूकता और टिकाऊ फैशन का प्रतीक बन चुकी है।

खादी का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व: खादी शब्द खद्दर से उत्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ है हाथ से बुना गया कपड़ा। सिंधु घाटी सभ्यता में भी हाथ से काते गए कपास के कपड़े पाए गए है जो खादी की प्राचीनता को दर्शाते है। महात्मा गांधी ने 1920 के दशक में खादी को स्वदेशी आन्दोलन का अभिन्न हिस्सा बनाया, जिससे यह स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक बन गया ।

खादी कपड़ा क्या है: खादी वह कपड़ा है जिसे हाथ में काता और बुना जाता है और इसे बनाने की प्रक्रिया में चरखा और करघा जैसे पारंपरिक उपकरणों का उपयोग होता है। यह कपडा मुख्यत प्राकृतिक रेशों जैसे कपास, रेशम और उन से तैयार किया जाता है और भारत के विभिन्न राज्यों में इसकी विशेष किस्में बनाई जाती है। परंपरागत रूप से खादी का निर्माण प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा के बिना किया जाता था। हालांकि, समय के साथ,इस प्रक्रिया में मशीनीकरण और आधुनिक तकनीकों का समावेश हुआ,जिससे उत्पादन क्षमता में वृदि हुई है। खादी न केवल एक पारंपरिक वस्त्र है बल्कि यह भारतीय संस्कृति ,आत्मनिर्भरता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रतीक भी है।

खादी की आधुनिक विनिर्माण प्रक्रिया

1 कच्ची कपास इकट्ठा करना खादी बनाने के लिए सबसे पहले खेतों से कच्ची कपास इकट्ठा की जाती है।

2 ओटाई (साफ करना) कपास से बीज और रोएं अलग किए जाते है और उसमें मौजूद नमी को भी हटाया जाता है।

3 कार्डिंग (रेशों को सुलझाना) कपास के रेशों को सुलझाकर उन्हें एक समान और साफ किया जाता है, जिससे एक पतली चादर वेब बनती है।

4 कताई (धागा बनाना) चरखे की मदद से इन रेशों को कातकर सूती धागा तैयार किया जाता है ।

5 वार्पिंग (धागों को तैयार करना) बुनाई के लिए धागों को एक विशेष तरीके से व्यवस्थित किया जाता है जिससे उन्हें करघे पर बुनना आसान हो जाता है।

6 बुनाई (कपड़ा बनाना) धागों को करघे पर बुनकर कपड़ा तैयार किया जाता है।

7 रंगाई (रंग भरना) कपड़े को प्राकृतिक रंगों से रंगा जाता है, जिससे वह सुंदर और आकर्षक दिखे ।

8 मुद्रण (डिजाइन) कपड़े पर डिजाइन या पैटर्न बनाने के लिए विशेष रंगों का उपयोग करके छिपाई की जाती है।

खादी के प्रमुख प्रकार और उनके उत्पादन केंद्र : यह धारणा कि खादी केवल सूती कपड़े से बनती है, पूरी तरह से सही नहीं है। वास्वत में, खादी रेशम और ऊन से भी बनाई जाती है, और भारत के विभिन्न राज्यों में इनकी विशिष्ट किस्में उत्पादित होती हैं। हर राज्य का अपना एक अद्वितीय खादी कपड़ा है, जो उसकी सांस्कृतिक धरोहर और बुनाई की पारंपरिक शैली को दर्शाता है।

1. सूती खादी (मलमल) : यह हल्का, सांस लेने योग्य और सूखा कपड़ा गर्मियों के लिए आदर्श है। भारत के पश्चिम बंगाल राज्य में बड़ी मात्रा में मलमल का उत्पादन होता है।

2. रेशमी खादी : मैसूर, कर्नाटक राज्य रेशम के लिए प्रसिद्ध है, और यहां रेशमी खादी का उत्पादन होता है।

3. ऊनी खादी : यह सर्दियों में गर्म सर्दियों में गर्म रखने के लिए उपयुक्त है और विभिन्न राज्यों में ऊनी खादी का उत्पादन होता है।

4. पोंडुरू खादी (पोंडुरू, आंध्र प्रदेश) : पोंडुरू गांव, जो श्री काकुलम जिले में स्थित है, अपनी उच्च गुणवत्ता वाली खादी के लिए प्रसिद्ध है। यहां की खादी में विशेष रूप में 'पुनासा' और 'हिल' किस्म के छोटे रेशे वाले कपास का उपयोग किया जाता है, जो बिना रासायनिक उर्वरकों के उगाए जाते हैं। कपास को मछली के जबड़े से साफ किया जाता है, जो इस खादी की सराहना की थी।

इस प्रकार खादी न केवल एक पारंपरिक वस्त्र है, बल्कि यह हमारे इतिहास, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रतीक भी है। इसे अपनाकर हम अपने देश की समृद्ध विरासत को सम्मानित कर सकते हैं और एक स्थायी भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

खादी कपड़ा त्वचा के अनुकूल है : खादी एक प्राकृतिक, हाथ से बुना गया कपड़ा है जो भारतीय जलवायु के लिए आदर्श है। यह न केवल पारंपरिक धरोहर का प्रतीक है, बल्कि इसके पहनने से स्वास्थ्य और आराम दोनों में लाभ होता है।

खादी के स्वास्थ्यवर्धक लाभ :

- **संवेदनशील त्वचा के लिए उपयुक्त :** खादी का कपड़ा त्वचा से चिपकता नहीं है और न ही त्वचा को परेशान करता है, जिससे यह संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए आदर्श विकल्प है।
- **गर्मियों में ठंडक :** यह हल्का और सांस लेने योग्य होता है, जो शरीर को ठंडा रखता है और पसीने को सोखता है, जिससे गर्मियों में आरामदायक अनुभव होता है।
- **सर्दियों में गर्मी :** खादी के कपड़े शरीर की गर्मी को बनाए रखते हैं, जिससे यह सर्दियों में भी उपयुक्त होते है।

खादी कपड़ा टिकाऊ है

उच्च गुणवत्ता और दीर्घायु : खादी के कपड़े सिंथेटिक फाइबर के कपड़े सिंथेटिक फाइबर के कपड़ों की तुलना में अधिक टिकाऊ होते हैं। इनकी मजबूत बुनाई और प्राकृतिक रेशों के कारण ये लंबे समय तक चलते हैं, जिससे कम कचरा उत्पन्न होता है।

पर्यावरण के अनुकूल निर्माण प्रक्रिया : खादी का उत्पादन पूरी तरह से हाथ से किया जाता है, जिसमें कोई भारी मशीनरी या बिजली की आवश्यकता नहीं होती। इससे ऊर्जा की खपत कम होती है और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आती है। एक मीटर खादी कपड़े के निर्माण में केवल 3 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, जबकि मिल–निर्मित कपड़े में यह 55 लीटर तक हो सकती हे।

सरल और किफायती उत्पादन उपकरण : खादी उत्पादन में उपयोग होने वाली मशीनरी सरल और सस्ती होती है, जिससे सेटअप लागत कम होती है और ग्रामीण समुदायों में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

खादी का पर्यावरण महत्व : खादी का निर्माण प्राकृतिक रेशों से किया जाता है और यह बिना रासायनिक रंगों के तैयार होताहै, जिससे यह पर्यावरण के लिए सुरक्षित और टिकाऊ विकल्प है। इस प्रकार, खादी न केवल एक पारंपरिक वस्त्र है, बल्कि यह स्वास्थ्य, आराम और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रतीक भी है। खादी का उत्पादन पारंपरिक और प्राकृतिक विधियों से होता है, जिससे यह पर्यावरण के लिए सुरक्षित और टिकाऊ विकल्प बनता है। यह न केवल जल और ऊर्जा की बचत करता है, बल्कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बिना उगाए गए रेशों से तैयार होता है, जो जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए लाभकारी है। इस प्रकार खादी न केवल एक पारंपरिक वस्त्र है, बल्कि यह हमारे पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और टिकाऊ जीवनशैली का प्रतीक भी है।

खादी अर्थव्यवस्था के निर्माण में मदद करती है : भारत में लगभग हर राज्य में खादी का उत्पादन होता है, और प्रत्येक राज्य की अपनी विशिष्ट बुनाई शैली है, जो स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को दर्शाती है। यह विविधता खादी को न केवल एक वस्त्र, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर भी बनाती है।

खादी का आर्थिक और सामाजिक योगदान

रोजगार सृजनः खादी और ग्रामोद्योग आयोग (झटप्ब) के अनुसार, 2024–25 में खादी क्षेत्र में लगभग 1.94 करोड़ लोगों को रोजगार मिला ।

किसानों को समर्थनः खादी की बढ़ती मांग से कपास और प्राकृतिक रेशों के उत्पादक किसानों को भी लाभ हो रहा है, क्योंकि यह उनके उत्पादों की खपत बढ़ाता है और उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त होता है।

आर्थिक विकास में योगदानः खादी का उत्पादन और बिक्री निरंतर बढ़ रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ रही हैं और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम बढ़ रहे हैं।

खादी का वैश्विक महत्वः भारत खादी का सबसे बड़ा उत्पादक है, और इसकी बढ़ती मांग से न केवल घरेलू बाजार में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी खादी की पहचान बन रही है। यह वैश्विक फैशन उद्योग में एक स्थायी और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार विकल्प के रूप में उभर रहा है।

इस प्रकार, खादी न केवल एक पारंपरिक वस्त्र है, बल्कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रतीक भी है।

प्रैस कतरनें

पानीपत सहकारी चीनी मिल डाहर ने रचा इतिहास, देशभर में प्रथम

पल पल न्यूज: चंडीगढ़, 22 सितंबर (नरेंद्र भाटिया)। पानीपत सहकारी चीनी मिल डाहर ने तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में देशभर में अपनी अलग पहचान कायम करते हुए इतिहास रच दिया है। वर्ष 2025-26 के पेराई सत्र में शानदार प्रदर्शन के आधार पर मिल को राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी दक्षता का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में मंगलवार को आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में सहकारिता मंत्री डा. अरविन्द शर्मा, उपायुक्त एवं पानीपत सहकारी चीनी मिल के अध्यक्ष डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के हाथों यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रहण किया। लगभग 94.61 प्रतिशत



क्षमता उपयोग के साथ मिली इस उपलब्धि से जिले का गौरव बढ़ा है। वर्ष 2025-26 के पेराई सत्र के दौरान मिल ने 61.50 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की तथा 5.62 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया। मिल ने इस दौरान बिजली का उत्पादन कर करीब 29 करोड़ रुपये की बिजली की बिक्री भी की। तकनीकी दक्षता और क्षमता के बेहतर उपयोग के चलते मिल को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान हासिल हुआ है।

राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ की ओर से वर्ष 2025-26 के दक्षता पुरस्कारों के लिए विभिन्न सहकारी चीनी मिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के आधार पर पानीपत सहकारी चीनी मिल को तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया। मिल ने 94.61 प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

61.50 लाख क्विंटल गन्ने की हुई पेराई : सहकारिता मंत्री डा. अरविन्द शर्मा ने इस उपलब्धि पर पानीपत सहकारी चीनी मिल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार मिल के अधिकारियों, कर्मचारियों और किसानों के संयुक्त प्रयास, मेहनत, लगन और सहयोग का परिणाम है। चुनौतीपूर्ण पेराई सत्र के बावजूद मिल ने तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया है।

डाहर शुगर मिल की उपलब्धि से बढ़ा गौरव, सहकारिता मंत्री ने ग्रहण किया प्रथम पुरस्कार

चंडीगढ़/पानीपत, 22 सितम्बर (विशेष संवाददाता/सुरेंदर): पानीपत सहकारी चीनी मिल डाहर ने तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में देशभर में अपनी अलग पहचान कायम करते हुए इतिहास रच दिया है। वर्ष 2025-26 के पेराई सत्र में शानदार प्रदर्शन के आधार पर मिल को राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी दक्षता का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में मंगलवार को आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में सहकारिता मंत्री डा. अरविन्द शर्मा, उपायुक्त एवं पानीपत सहकारी चीनी मिल के अध्यक्ष डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के हाथों यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रहण किया। लगभग 94.61 प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ मिली इस उपलब्धि से जिले का गौरव बढ़ा है। वर्ष 2025-26 के पेराई सत्र के दौरान मिल ने 61.50 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की तथा 5.62 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया। मिल ने इस दौरान बिजली का उत्पादन कर करीब 29 करोड़ रुपये की बिजली की बिक्री भी की। तकनीकी दक्षता और क्षमता के बेहतर उपयोग के चलते मिल को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान हासिल हुआ है।



तकनीकी दक्षता में पानीपत चीनी मिल देशभर में प्रथम रही, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण करते हुए हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा एवं उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ।

राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ की ओर से वर्ष 2025-26 के दक्षता पुरस्कारों के लिए विभिन्न सहकारी चीनी मिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के आधार पर पानीपत सहकारी चीनी मिल को तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया। मिल ने 94.61 प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। सहकारिता मंत्री डा. अरविन्द शर्मा ने इस उपलब्धि पर पानीपत सहकारी चीनी मिल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

यमुनानगर में चला सहकारिता जागरूकता अभियान

कृषि मंत्री ने बांटा जेएलजी ग्रुपर्स को एक करोड़ रुपये का चेक व सीएम पैक्स समितियों को वितरित किए रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र

प्रभजीत सिंह लक्की

यमुनानगर । हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ द्वारा जगाधरी के गुप्ता पैलेस में सहकारिता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने बतौर मुख्यातिथि तथा हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने विशिष्ट अतिथि शिरकत की और हर नागरिक को सहकारिता अपनाने पर जोर दिया। सहकारिता विचार गोष्ठी में पहुंचने पर आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को शॉल व भगवान गणेश जी की मूर्ति भेंट कर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित करके की गई।

सहकारिता विचार गोष्ठी में बोलते हुए हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि यदि हमें देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो हमें सहकारिता को अपनाना होगा। आज देश को आगे बढ़ाने के साथ-साथ हर नागरिक के लिए सहकारिता अपनाना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्व के देशों में यदि भारत को मजबूत बनाना है तो हमें सहकार की ओर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सहकार से समृद्धि, समृद्धि से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता से सशक्त किसान और सशक्त देश व प्रदेश होगा। उन्होंने कहा कि हमारी भूमि सीमित होने के कारण हमारी खेती की लागत भी बढ़ रही है। इसलिए खेती में प्रयोग होने वाली मंहगी दवाईयों व रासायनिक खादों को छोड़कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। आज बदलते



परिवेश के कारण प्राकृतिक खेती हम सभी की जरूरत है। प्राकृतिक खेती अपनाने से हमारा खर्च कम व आमदनी ज्यादा होगी, क्योंकि प्राकृतिक खेती में किसी भी प्रकार की दवाई व रासायनिक खाद का प्रयोग नहीं होगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है और हमारे देश में कृषि भूमि का अधिकांश क्षेत्र समतल है। जिस पर प्राकृतिक खेती करना बहुत ही सरल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर नागरिक एवं किसानों की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि किसान सहकार को अपनाकर आत्मनिर्भर व सक्षम बनें। सरकार किसानों को अनुदान राशि पर कृषि यंत्रों एवं अन्य कृषि ऋणों पर विशेष सुविधाएं दे रही है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भाजपा सरकार ने अनेकों योजनाएं चलाई है। इसलिए हमें अपने देश की उन्नति व भारत को विश्व के पटल पर आगे ले जाने के लिए सहकार को अपनाना होगा। देश के गृह मंत्री अमित शाह देश में सहकार को बढ़ावा देने पर गंभीरता से कार्य कर रहे है। सहकारिता विचार गोष्ठी में हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि किसानों को रासायनिक दवाइयां व खाद से अपनी निर्भरता को त्याग कर प्राकृतिक खेती से जुड़ना चाहिए। सहकार के सभी कार्य सरकार द्वारा नहीं किए जा सकते, इसलिए हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि सहकारिता को अपनाने के लिए हमें आगे आना चाहिए। सहकार केवल नारा नहीं, सरकार का संकल्प है। एक अकेला किसान कितना भी मेहनती क्यों न हो, बाजार में अकेला कमजोर पड़ जाता है। जब वही किसान सहकारी समिति से जुड़ता है, तो उसकी ताकत बढ़ जाती है। सही दाम मिलता है, समय पर कर्ज मिलता है।

उन्होंने कहा कि आज देश में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कार्य कर रही है और स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बन अपना व अपने परिवारों का गुजारा कर रही है। यदि हम देश में सहकारिता से जुड़ेंगे तो देश में उन्नति की लहर आ सकती है और देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। यह सभी कार्य सहकार से संबंधित कार्य है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को आत्मनिर्भर एवं संपन्न तथा देश को मजबूत करने के लिए हमें सहकार से जुड़ना होगा। आज के समय में सहकार हर नागरिक की जरूरत है। आज आवश्यकता है कि हम सहकारिता और अधिक मजबूत बनाएं तथा आधुनिक तकनीक और नवाचार को इसके साथ जोड़ें।

जनता का अधिकार सर्वोपरि, प्रश्नकाल बाधित करना लोकतांत्रिक मर्यादा के खिलाफ: अरविंद

जगमार्ग ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी विपक्ष के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। लगातार नारेबाजी और शोर के बीच प्रश्नकाल शुरू होने की स्थिति नहीं बन पा रही थी। इसी दौरान प्रदेश के सहकारिता एवं जेल मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण से अनुमति लेकर सदन को लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रश्नकाल की महत्ता का हवाला देते हुए विपक्ष से कार्यवाही सुचारु रूप से चलने देने की अपील की। उनके तर्क के बाद विपक्षी विधायक अपनी सीटों पर लौट आए और प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू हो सकी। डॉ. शर्मा ने कहा कि विधानसभा में प्रश्नकाल बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसके माध्यम से विधायक अपने-अपने क्षेत्रों और प्रदेश की जनता से जुड़े मुद्दे सरकार के सामने रखते हैं। किसी भी विषय पर विस्तृत चर्चा प्रश्नकाल के बाद की जा सकती है, लेकिन प्रश्नकाल को बाधित करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि 27 अगस्त को सत्र के पहले दिन 20 सवाल सूचीबद्ध थे, लेकिन हंगामे के कारण विधायक अपने क्षेत्रों से जुड़े सवाल सदन में नहीं उठा सके। सोमवार को भी 20 प्रश्न सूचीबद्ध हैं। इनमें सिंचाई, स्वास्थ्य, खेल और बिजली जैसे महत्वपूर्ण विभागों से जुड़े सवाल शामिल हैं। ऐसे में इन सवालों को सदन में उठने का अवसर मिलना जरूरी है।

■ सहकारिता मंत्री के तर्क पर शांत हुआ विपक्ष



अधिकार की बात उचित नहीं

विपक्ष पर निशाना साधते हुए सहकारिता मंत्री ने कहा कि उन्हें सदन के नियमों और संसदीय परंपराओं की जानकारी है। इसके बावजूद 'मेरे अधिकार' की बात करना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विधायक का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन लोकतंत्र में जनता का अधिकार सबसे ऊपर है।

हरियाणा राज्य सहकारी प्रसंघ द्वारा जगाधरी के गुप्ता पैलेस में सहकारिता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया





यमुनानगर। हरियाणा राज्य सहकारी प्रसंघ द्वारा जगाधरी के गुप्ता पैलेस में सहकारिता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने बतौर मुख्यातिथि तथा हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने विशिष्ट अतिथि शिरकत की और हर नागरिक को सहकारिता अपनाने पर जोर दिया। सहकारिता विचार गोष्ठी में पहुंचने पर आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को शॉल व भगवान गणेश जी की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित करके की गई।

सहकारिता विचार गोष्ठी में बोलते हुए हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि यदि हमें देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो हमें सहकारिता को अपनाना होगा। आज देश को आगे बढ़ाने के साथ-साथ हर नागरिक के लिए सहकारिता अपनाना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्व के देशों में यदि भारत को मजबूत बनाना है तो हमें सहकार की ओर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सहकार से समृद्धि, समृद्धि से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता से सशक्त किसान और सशक्त देश व प्रदेश होगा। उन्होंने कहा कि हमारी भूमि सीमित होने के कारण हमारी खेती की लागत भी बढ़ रही है। इसलिए खेती में प्रयोग होने वाली मंहगी दवाईयों व रासायनिक खादों को छोड़कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। आज बदलते परिवेश के कारण प्राकृतिक खेती हम सभी की जरूरत है। प्राकृतिक खेती अपनाने से हमारा खर्च कम व आमदनी ज्यादा होगी, क्योंकि प्राकृतिक खेती में किसी भी प्रकार की दवाई व रासायनिक खाद का प्रयोग नहीं होगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है और हमारे देश में कृषि भूमि का अधिकांश क्षेत्र समतल है। जिस पर प्राकृतिक खेती करना बहुत ही सरल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर नागरिक एवं किसानों की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि किसान सहकार को अपनाकर आत्मनिर्भर व सक्षम बनें। सरकार किसानों को अनुदान राशि पर कृषि यंत्रों एवं अन्य कृषि ऋणों पर विशेष सुविधाएं दे रही है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भाजपा सरकार ने अनेकों योजनाएं चलाई है। इसलिए हमें अपने देश की उन्नति व भारत को विश्व के पटल पर आगे ले जाने के लिए सहकार को अपनाना होगा। देश के गृह मंत्री अमित शाह देश में सहकार को बढ़ावा देने पर गंभीरता से कार्य कर रहे है। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष राकेश सपरा, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, हरकीर्पेंट के मीडिया प्रभारी वीरेन्द्र अत्री, प्रवीन अत्री, रामपाल नम्बरदार, हरकीर्पेंट के चेयरमैन व अन्य अधिकारीगण, भाजपा के वरिष्ठ नेतागण, कार्यकर्ता एवं विभिन्न गांवों से आए किसान एवं ग्रामीण भी उपस्थित रहें।



इंटर डिपार्टमेंट कोऑपरेशन क्रिकेट लीग के अंतर्गत RCS हरियाणा एवं शिक्षा विभाग हरियाणा के बीच सेमीफाइनल मुकाबला आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरकोफैड के प्रचार एवं शिक्षा अधिकारी श्री सौरव अत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सौरव अत्री का आयोजन समिति एवं RCS हरियाणा की टीम द्वारा स्वागत किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना, अनुशासन एवं आपसी सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विभिन्न सरकारी विभागों के कर्मचारियों के बीच आपसी तालमेल, भाईचारे एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती हैं।

इंटर डिपार्टमेंट कोऑपरेशन क्रिकेट लीग का उद्देश्य विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को खेल के माध्यम से एक मंच पर लाना तथा आपसी सहयोग और सौहार्द को मजबूत करना है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों ने खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

RCS हरियाणा टीम एवं इंटर डिपार्टमेंट कोऑपरेशन क्रिकेट लीग समिति ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया तथा प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी खिलाड़ियों एवं विभागों का धन्यवाद किया।



खेल मैदान में वीटा की शानदार जीत



26 सितंबर 2026 को महाजन क्रिकेट ग्राउंड, चंडीगढ़ में आयोजित क्रिकेट मैच में सहकारिता विभाग की वीटा टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एलआर विभाग, हरियाणा की टीम को 45 रनों से पराजित किया।

वीटा टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 153 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किया, जिसके जवाब में एलआर विभाग की टीम 108 रन ही बना सकी। वीटा के नवीन कुमार ने शानदार 75 रनों की पारी खेलते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया और उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।

गेंदबाजी में संदीप कालसन ने 3 विकेट, सुनील राजपूत और सुमित सिरोही ने 2-2 विकेट, जबकि कप्तान संजय सोनी एवं आर्यन चौहान ने 1-1 विकेट लेकर जीत को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहकारिता विभाग की वीटा टीम को इस शानदार प्रदर्शन और जीत के लिए हार्दिक बधाई एवं आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएँ।

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

नैनो उर्वरकों का कमाल, हर खेत-किसान बने खुशहाल

नैनो यूरिया प्लस • नैनो डीएपी
नैनो जिंक • नैनो कॉपर • धरामृत • सागरिका

उत्तम खेती के लिए स्मार्ट समाधान

मिट्टी की उर्वरता बढ़े
पर्यावरण के लिए सुरक्षित
कम मात्रा में अधिक प्रभाव

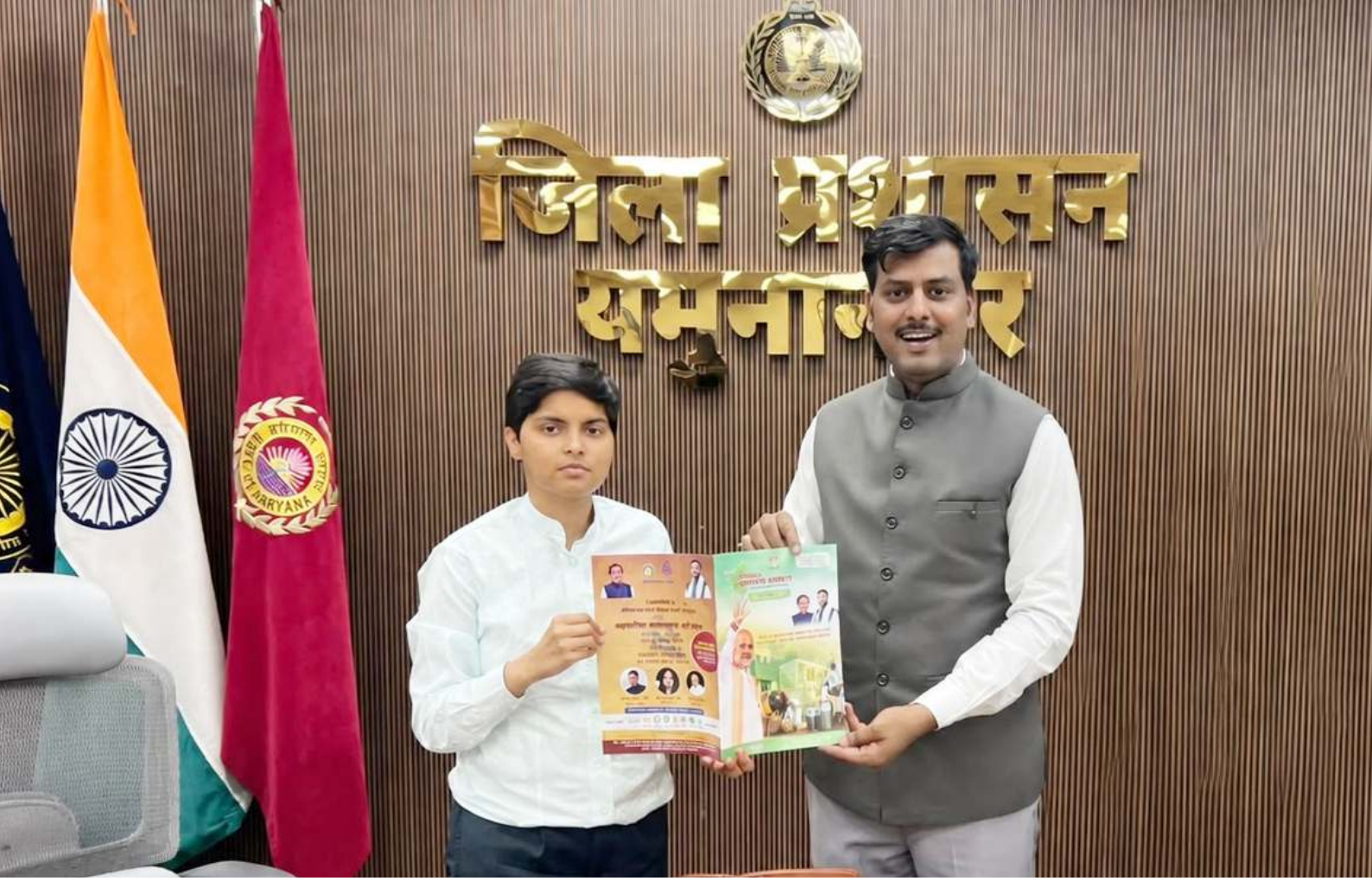
इफको का है यह अभियान,
स्वस्थ हो धरती, खुशहाल बने किसान

कम लागत में अधिक उत्पादन
फसल की गुणवत्ता में सुधार
भंडारण एवं प्रयोग करने में आसान

नैनो उर्वरक अपनाओ, फसलों का उत्पादन, गुणवत्ता और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाओ।



IFFDC Preserving Nature . Nurturing Lives
IFFCO पूर्णतः सहकारी स्वामित्व Wholly owned by Cooperatives
इण्डियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड
राज्य कार्यालय हरियाणा एवं दिल्ली
बी. ऐस नकई भवन, प्लाट नं. 2 (बी एवं सी), सैक्टर–28–ए, मध्य मार्ग चण्डीगढ़–160002
फोन नं॰ 0172-4991402-4991417 वेबसाइट - www.iffco.in
IFFCO BAZAR
IFFCO - MC CROP SCIENCE
follow us or subscribe us iffco_coop iffco Haryana IFFCO Haryana IFFCO_HR



जिला यमुनानगर में सहकारिता जागरूकता अभियान के दौरान उपायुक्त यमुनानगर सुश्री प्रीती, भा.प्र.से जी से शिष्टाचार भेंट करते शिक्षा एवं प्रचार अधिकारी हरकोफैड सौरव अत्री।



हरकोफैड द्वारा आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक महिला प्रतिभागी द्वारा तैयार किए गए हरकोफैड के सुंदर हस्तनिर्मित प्रतीक चिह्न को प्रबंध निदेशक हरकोफैड श्री नरेश गोयल को भेंट करते सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी भिवानी श्री देवेन्द्र सिवाच, हिसार श्री ऋषि पाल, रोहतक श्री सत्यनारायण यादव।



हरियाणा सरकार

सहकारिता विभाग, हरियाणा



(हरकोफैड)

हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला

द्वारा

सहकारिता जागरूकता अभियान

वित्तीय वर्ष 2026-2027

राज्य के प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है

अगस्त 2026 तक कार्यक्रम आयोजित जिले

9 जुलाई 2026: नारनौल
20 जुलाई 2026: कुरुक्षेत्र
2 अगस्त 2026: पलवल
18 सितंबर 2026: यमुनानगर



श्री पंकज यादव, भा.प्र.से.
प्रधान सचिव
सहकारिता विभाग, हरियाणा



डॉ. सुमिता ढ़ाका, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां
हरियाणा



श्री नरेश गोयल
प्रबंध निदेशक, हरकोफैड

अभियान से जुड़ने के लिए सम्पर्क करें - सौरव अत्री, प्रचार अधिकारी 6280460371

सहकार से समृद्धि

HAFED DAIRYFED SUGARFED HARCO BANK HSCARDB HARCOFED LABOURFED HOUSEFED

समृद्धि से आत्मनिर्भरता

HARCOFED

Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula https://harcofed.haryana.gov.in/ harcofed@ymail.com

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264